थाः श्री जगदीश प्रसाद माथुरः मैं विरोधी दलों के सदस्यों से कह रहा हूं ...(व्यवधान) मेरे मित्र श्री साल्वे जी ने कहा था ...(व्यवधान) हमारे बड़े सीनियर और कुशल राजनीतिज्ञ श्री साल्वे जी ने कहा

He should be tried for treason. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not permitted you. Please take your seat.

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः मैं समझता हूं कि श्री साल्वे जी उस दिन अपनी रौ में बह गये, कह गये He should be tried for treason. मैं पूछना चाहता हूं कि क्या टेरेरिस्ट्स के साथ लड़ना ट्रेजन है। जो काश्मीर को पाकिस्तान को दे देना चाहते हैं क्या उनको पकड़ना ट्रेजन है। मैं उनसे भी स्पष्टीकरण चाहूंगा।

एक और बाहर के नेता हैं, उनका नाम नहीं लेना चाहता हूं...(व्यवधान) क्योंकि उससे मेरे और बहुत से दोस्त नाराज हो जायेंगे। उन्होंने फांसी की मांग की है।

यदि पाकिस्तान के खिलाफ या पाकिस्तान के हमदर्दों के खिलाफ अगर कोई कार्यवाही ट्रेजन है और उसको फांसी दी जानी चाहिये तो मैं नहीं समझता कि देशभक्ति किस चीज का नाम है।... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please let him finish the Special Mention. Please do not interrupt him. Have some manners. I am requesting you,' but you do not understand anything. If you do, I will stop him.

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः मैं तो बोल रहा हूं जो बोलता है वह इन्टरप्ट नहीं करता है? जो बोलता है उसको इन्टरप्ट किया जाता है।

उपसभापतिः आपकी पार्टी के लोग इन्टरप्ट कर रहे हैं, मैं उन्हें मना कर रही हूं...(व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): ये स्पेशल मेंशन करें, सवाल किसको कर रहे हैं...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not permitted you to speak. You take your seat. You sit down. I say, sit down. This is my final warning to you. Do not open your mouth without the permission of.the Chair. I say, sit down. *(Interruption)*

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः मैं सरकार से दो बातें पूछकर समाप्त करूंगा। क्या सरकार "करन्ट" में छपी इस खबर की इन्क्वायरी करके अब सच्चाई सामने रखेगी...क्या सरकार जगमोहन जी के हटाने के बाद जो स्थिति पैदा हुई है उस पर पुनः विचार करेगी, क्योंकि स्थिति यह है कि उनके हटाये जाने से जो मुल्क के खिलाफ कार्यवाही करने वाले लोग हैं, उनकी ताकत बढ़ी है?

उपसभापतिः यहां उनके हटाये जाने पर डिसकशन नहीं हो रहा है। स्टेटमेंट पर डिसकशन है। आप सवाल पूछ करके बैठ जाइये।

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः आप मुझे तो रोकती हैं, बाकी सबको नहीं।

उपसभापतिः मैं रोकती नहीं हूं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुरः मैं आखिरी सवाल करना चाहता हूं। क्या सरकार इस संबंध में विचार करेगी और क्या "करन्ट" की झूठी खबर की जांच करके सदन को बतायेंगे कि सच्चाई क्या है?

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, my name has been mentioned.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting you. Many names have been mentioned. If I allow like this, I will never be able to run this House. I am telling you earnestly.

Issue of Duplicate Boarding Cards on Indian Airlines Flight No. IC 405 on 24th May, 1990

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, from the supline heights of Bofors and Jagmohan I come down to a simple thing of flying in Indian Airlines. When the Civil Aviation debate was going on here on 24th of May, 1990, the Indian Airlines flight No. IC 405 from Delhi to Bpmbay was delayed by 3 hours. Its departure time is 6.10 p.m. That is O.K. When the passengers including our Deputy Chairman of the Planning Commission and several foreign travellers, went in it was found that 75 to 77 additional, duplicate, Boarding Cards had been issued. On that day, there were not only one or two people but 75 to 77 people who had been issued duplicate Boarding Cards and all of them boarded the aircraft. Once having boarded the

aircraft, none of them wanted to get down. The Captain cannot take off with the passengers standing. Ultimately, after two to three hours' delay, some of the passengers, on their own, voluntarily, decided to come down. They reached home after midnight.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): They have become too much accommodating.

SHRI VIREN J. SHAH: That is why we see Mr. Gurudas Das Gupta and Mr. Mathur disagreeing and yet agreeing on one particular issue. That is accommodation part . of it. Madam, I want to draw the attention of the House that this kind of thing happened when the Civil Aviation debate was going on in the House and the great Mrs. Margaret Alva and Mrs. Renuka Chowdhury were very vocal about the Indian Airlines. That very evening, the Indian Airlines functioned in this manner. The reason given was that the computers had failed because of the Telecommunication Engineers' strike. Even if the computers had failed, it is most surprising how 75 or 77 duplicate Boarding Cards were issued. I can understand one or two. There was such a commotion created. The foreigners had to catch a connecting flight from Bombay to their own countries which they could not do. I thought I should bring this to the notice of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Mohammad Amiri Ansari. Not here. Shri Hanspal.

Forced entry by some people in the Golden Temple

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल (पंजाब): मैडम, मैं आपके माध्यम से पंजाब में अमृतसर गोल्डन टेम्पल में हुई एक घटना की तरफ, थोड़े से बैकग्रांउंड बताने के बाद, ध्यान दिलाना चाहूंगा।

1981-82 और 1983-84 में कुछ ऐसे हालात बने कि बहुत से हथियारबंद लोग गोल्डन टेम्पल के अंदर पहुंच गये और गोल्डन टेम्पल को एक फोर्ट की तरह बना दिया गया। मैं भी उस बात से पूरी तरह से सहमत नहीं, लेकिन हालात के मुताबिक जून, 1984 में ब्लू स्टार आपरेशन हुआ और उस आपरेशन के बाद बड़ी मुश्किल से वहां से उन लोगों को बाहर निकाला गया, जिसमें जो बहुत अच्छी बात नहीं हुई वह यह थी कि अकाल तख्त और गोल्डन टैम्पल को भी उस आपरेशन में नुकसान हुआ। सारे संसार में रहने वाले सिखों ने इसको अच्छा नहीं समझा और उनकी रिलीजियस सेंटिमैंट्स हर्ट हुई।

उसके बाद बरनाला सरकार जब बनी, तो वह भी क्राइसिस में आई, इसीलिये कि जब वह दुबारा हथियारबंद लोग गोल्डन टेम्पल के अंदर जाना चाहते थे, तो पुलिस के जरिये उनको वहां से रोका और बाहर निकाला गया। तब बादल और कैप्टन अमरिन्द्र सिंह ने अपने आपको डिसएसोसिएट किया और बरनाला सरकार क्राइसिस में आ गई और उसको जाना पड़ा।
1.00 P.M. अभी 2-3 दिन पहले श्री मान और उनके साथी आर्म्स लेकर जिसकी आम अखबारों में खबरें और फोटो भी छपी हैं दोबारा गोल्डन टेम्पल के अंदर एंटर कर गये हैं। मैं इस बात को इसलिये आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि यह एक बहुत बड़ी सीरियस बात है। अगर दोबारा वहां पर हथियार चले जायेंगे गोल्डन टैम्पल के अंदर और फिर वही सिच्युएशन बन जायेगी जो 1984 में थी तो उसको काबू करना आज की सरकार के वश की बात नहीं है। जो हालात सुधरे हुये हैं वह वापस कहीं न चले जायें इसलिये मैं सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं। मैं इस सारी बात के लिये मान को जिम्मेवार नहीं ठहराता हूं, मैं जिम्मेवार वहां की सरकार के, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को या गवर्नर के बारे में यहां पर कहना शुरू करें तो फिर यह एतराज होगा कि We cannot discuss about the Governor because he is not present here. तो वह भी अच्छी बात नहीं होगी और मैं गवर्नर का कसूर भी नहीं समझता, जैसे मान का नहीं समझता वैसे ही गवर्नर का भी कसूर नहीं समझता, यह सैन्ट्रल गवर्नमेंट या यह कह लीजिये कि वी० पी० सिंह की वीक पालिसीज़ की वजह से वहां यह सब कुछ हो रहा है। वी० पी० सिंह साहब जब देश के प्रधान मंत्री बने तो वह बात भी बहुत लंबी हो जायेगी अगर कहूं कि कैसे वह अमृतसर में गये, वहां कैसे होप्स उन्होंने दिलवाई, लेकिन दो बातें मुख्य हैं। एक तो यह कि आज तक सिमरनजीत सिंह मान लोक सभा के अंदर ओथ नहीं ले सके। मैं इसके लिये जिम्मेदार मान को बिल्कुल नहीं ठहराता। उनको इतनी हाई होप्स दे दी गई थीं प्रेजेंट सरकार से इतना उसके साथ तालमेल किया गया था कि वह इस बात पर अड़